प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2022-23
Sample Paper - 5
विषय हिंदी (आधार)
(विषय कोड -302)
कक्षा- बारहवीं

निर्धारित समय -3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य और आवश्यक निर्देश-

- इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं- खंड 'अ' और 'ब'। कुल प्रश्न 13 हैं।
- खंड 'अ' में 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं ।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[10]**

रवींद्रनाथ ने इस भारतवर्ष को 'महामानव समुद्र' कहा है। विचित्र देश है यह। असुर आए, आर्य आए, शक आए, हूण आए, नाग आए, यक्ष आए, गंधर्व आए - न जाने कितनी मानव जातियाँ यहाँ आईं और आज के भारतवर्ष के बनाने में अपना हाथ लगा गईं। जिसे हमें हिंदू रीति-नीति कहते हैं, वह अनेक आर्य और आर्येतर उपादानों का अद्‌भुत मिश्रण है। एक-एक पशु, एक-एक पक्षी न जाने कितनी स्मृतियों का भार लेकर हमारे सामने उपस्थित है। अशोक की भी अपनी स्मृति परंपरा है। आम की भी है, बकुल की है, चंपे की भी है। सब क्या हमें मालूम है? जितना मालूम है, उसी का अर्थ क्या स्पष्ट हो सका है? न जाने किस बुरे मुहूर्त में मनोजन्मा देवता ने शिव पर बाण फेंका था? शरीर जलकर राख हो गया और 'वामन-पुराण' (षष्ठ अध्याय) की गवाही पर हमें मालूम है कि उनका रत्नमय धनुष टूटकर खंड-खंड हो धरती पर गिर गया।

जहाँ मूठ थी, वह स्थान रुक्म-मणि से बना था, वह टूटकर धरती पर गिरा और चंपे का फूल बन गया। हीरे का बना हुआ जो नाह-स्थान था, वह टूटकर गिरा और मौलसिरी के मनोहर पुष्पों में बदल गया। अच्छा ही हुआ। इंद्रनील मणियों का बना हुआ कोटि देश भी टूट गया और सुंदर पाटल पुष्पों में परिवर्तित हो गया। यह भी बुरा नहीं हुआ। लेकिन सबसे सुंदर बात यह हुई कि चंद्रकांत-मणियों का बना हुआ मध्य देश टूटकर चमेली बन गया और विद्रुम की बनी निम्नतर कोटि बेला बन गई, स्वर्ग को जीतनेवाला कठोर धनुष, जो धरती पर गिरा तो कोमल फूलों में बदल गया। स्वर्गीय वस्तुएँ धरती से मिले बिना मनोहर नहीं होतीं।

परंतु मैं दूसरी बात सोच रहा हूँ। इस कथा का रहस्य क्या है? यह क्या पुराणकार की सुकुमार कल्पना है या सचमुच ये फूल भारतीय संसार में गंधर्वों की देन हैं? एक निश्चित काल के पूर्व इन फूलों की चर्चा हमारे साहित्य में मिलती भी नहीं। सोम तो निश्चित रूप से गंधर्वों से खरीदा जाता था। ब्राह्मण ग्रंथों में यज्ञ की विधि में यह विधान सुरक्षित रह गया है। ये फूल भी क्या उन्हीं से मिले? कुछ बातें तो मेरी मस्तिष्क में बिना सोचे ही उपस्थित हो रही हैं। यक्षों और गंधर्वों के देवता -कुबेर, सोम, अप्सराएँ - यद्यपि बाद के ब्राह्मण ग्रंथों में भी स्वीकृत है, तथापि पुराने साहित्य में आप देवता के रूप में ही मिलते हैं। बौद्ध

साहित्य में तो बुद्धदेव को ये कई बार बाधा देते हुए बताए गए हैं। महाभारत में ऐसी अनेक कथाएँ आती हैं जिनमें संतानार्थिनी स्त्रियाँ वृक्षों के अपदेवता यक्षों के पास संतान-कामिनी होकर जाया करती थीं। यक्ष और यक्षिणी साधारणत: विलासी और उर्वरता-जनक देवता समझ जाते थे। कुबेर तो अक्षय निधि के अधीश्वर भी हैं। 'यक्ष्मा' नामक रोग के साथ भी इन लोगों का संबंध जोड़ा जाता है। भरहुत, बोधगया, सांची आदि में उत्कीर्ण मूर्तियों में संतानार्थिनी स्त्रियों का यक्षों के सान्निध्य के लिए वृक्षों के पास जाना अंकित है। इन वृक्षों के पास अंकित मूर्तियों की स्त्रियाँ प्राय: नग्न हैं, केवल कटिदेश में एक चौड़ी मेखला पहने हैं।

अशोक इन वृक्षों में सर्वाधिक रहस्यमय है। सुंदरियों के चरण-ताड़न से उसमें दोहद का संचार होता है और परवर्ती धर्मग्रंथों से यह भी पता चलता है कि चैत्र शुक्ल अष्टमी को व्रत करने और अशोक की आठ पत्तियों के भक्षण से स्त्री की संतान-कामना फलवती है। अशोक कल्प में बताया गया है कि अशोक के फूल दो प्रकार के होते हैं - सफेद और लाल। सफेद तो तांत्रिक क्रियाओं में सिद्धिप्रद समझकर व्यवहृत होता है और लाल स्मरवर्धक होता है। इन सारी बातों का रहस्य क्या है? मेरा मन प्राचीन काल के कुंझटिकाच्छन्न आकाश में दूर तक उड़ना चाहता है। हाय, पंख कहाँ हैं?

यह मुझे प्राचीन युग की बात मालूम होती है। आर्यों का लिखा हुआ साहित्य ही हमारे पास बचा है। उसमें सबकुछ आर्य दृष्टिकोण से ही देखा गया है। आर्यों से अनेक जातियों का संघर्ष हुआ। कुछ ने उनकी अधीनता नहीं मानी, वे कुछ ज़्यादा गर्वीली थीं।

(i) फूलों की चर्चा कहाँ नहीं मिलती?

i. साहित्य में

ii. भारतीय संसार में

iii. पुराणों में

iv. ग्रंथों में

(ii) हिन्दू रीति-नीति क्या है?

i. अनेक उपदानों का मिश्रण

ii. अनेक जातियों का मिश्रण

iii. अनेक व्यक्तियों का मिश्रण

iv. अनेक देशों का मिश्रण

(iii) कौन बिलासी देवता माने जाते थे?

i. सोम

ii. यक्ष

iii. कुबेर

iv. शिव

(iv) कौन जातियाँ गर्विली थी?

i. जो आर्यों से हार गए थे

ii. जो आर्यों के अधीन थे

iii. जो आर्यों के अधीन न थे

iv. जो आर्यों से जीत गए थे

(v) अशोक के फूल कितने प्रकार के होते हैं?

i. नहीं होते

ii. एक

iii. तीन

iv. दो

(vi) अक्षय निधि के अधीश्वर के नाम से कौन जाना जाता था?

i. कुबेर

ii. यक्ष

iii. सोम

iv. बुद्ध

(vii) **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-**

I. अशोक का फूल एक ही प्रकार का होता है।

II. महाभारत में यक्षों से संबंधित कथाएँ नहीं हैं।

III. अशोक की भी अपनी स्मृति परंपरा है।

उपरिलिखित कथनों में से कौन सही नहीं है/हैं?

i. II और III

ii. I और II

iii. I और III

iv. उपरोक्त सभी

(viii) क्या टूटकर चम्पे का फूल बन गया?

i. बाण

ii. धनुष

iii. हीरा

iv. रुक्म मणि

(ix) भारत को महामानवसमुद्र क्यों कहा गया है?

i. क्योंकि यहाँ की आबादी बहुत अधिक है

ii. क्योंकि यहाँ अनेक तरह की प्रजातियाँ आ चुकी हैं

iii. क्योंकि यहाँ अलग-अलग धर्म के लोग रहते हैं

iv. क्योंकि यहाँ की संस्कृति भिन्न है

(x) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A): कई भारतीय फूल गन्धर्वों की देन नहीं हैं।
कारण (R): इसका प्रमाण बौद्ध साहित्य है।

i. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ii. कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

iii. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

iv. कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए- **[5]**

(i) संदेश के आदान-प्रदान में लगने वाले समय तथा दूरी को कम करने के लिए मनुष्यों ने किसकी खोज की?

क) पत्रों की　　ख) रेडियो की

ग) रेल की　　घ) संचार और जनसंचार की

(ii) कैसे शब्द टी वी में सहज और उपयुक्त माने जाते हैं?

क) जो शब्द लोकप्रिय ना हो　　ख) कठिन शब्द

ग) बोलचाल के शब्द　　घ) जिनसे विद्वता झलके

(iii) ऐसी पत्रकारिता जो किसी विचाराधारा उद्देश्य या मुद्दे को उठाकर जनमत तैयार करती है, ________ पत्रकारिता कहलाती है।

क) पीत　　ख) पेज थ्री

ग) एडवोकेसी　　घ) वैकल्पिक

(iv) प्रिंट मीडिया के प्रमुख माध्यम होते हैं-

क) पुस्तकें व पत्र-पत्रिकाएँ　　ख) पत्र-पत्रिकाएँ

ग) इंटरनेट　　घ) पुस्तकें

(v) बीट कवर करने वाले रिपोर्टर को कहते हैं-

क) लेखक　　ख) एंकर

ग) संपादक　　घ) संवाददाता

3. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस-उस राही को धन्यवाद।
जीवन अस्थिर, अनजाने ही
हो जाता पथ पर मेल कही

सीमित पग-डग, लंबी मंजिल,
तय कर लेना कुछ खेल नहीं।
दाएँ-बाएँ सुख-दुख चलते
सम्मुख चलता पथ का प्रमाद,
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस-उस राही को धन्यवाद।
साँसों पर अवलंबित काया,
जब चलते-चलते चूर हुई।
दो स्नेह शब्द मिल गए,
मिली नव स्फूर्ति,
थकावट दूर हुई।
पथ के पहचाने छूट गए,
पर साथ-साथ चल रही यादें।
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस-उस राही को धन्यवाद।

(i) जीवन पथ पर कवि का साथ कौन-कौन दे रहे हैं?

क) सभी विकल्प सही हैं　　ख) दुःख

ग) सुख　　घ) आलस्य

(ii) कवि राही को धन्यवाद क्यों देना चाहता है?

क) क्योंकि उसने कवि को बीच में छोड़ दिया　　ख) क्योंकि वह कवि से स्नेह नहीं करता

ग) क्योंकि कवि ने उससे ऋण लिया था　　घ) क्योंकि उसके स्नेह से वह अपनी जीवन यात्रा को पूरा कर सका

(iii) जीवन-यात्रा में स्नेह के दो शब्द मिलने का कवि पर क्या प्रभाव हुआ?

क) उसमें नव स्फूर्ति आ गई　　ख) वह उदास हो गया

ग) उसमें निराशा आ गई　　घ) वह थक गया

(iv) कवि किस-किस राही को धन्यवाद देना चाहता है?

क) जिसे उसने नहीं देखा　　ख) जीवन पथ पर उसे जिस जिससे स्नेह नहीं मिला

ग) जिसे उसने देखा　　घ) जीवन पथ पर उसे जिस जिससे स्नेह मिला

(v) जाने-पहचाने लोगों का साथ छूट जाने पर भी कवि के साथ अब कौन चल रहा है?

क) अनजाने लोग　　ख) उसके मित्र

ग) सबकी यादें　　　　घ) पुराने लोग

अथवा

अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: [5]

ओ महमूदा मेरी दिल जिगरी
तेरे साथ में भी छत पर खड़ी हूँ
तुम्हारी रसोई तुम्हारी बैठक और गाय-घर में
पानी घुस आया
उसमें तैर रहा है घर का सामान
तेरे बाहर के बाग का सेब का दरख्त
टूटकर पानी के साथ बह रहा है
अगले साल इसमें पहली बार सेब लगने थे
तेरी बल खाकर जाती कशमीरी कढ़ाई वाली चप्पल
हुसैन की पेशावरी जूती
बह रहे हैं गंदले पानी के साथ
तेरी ढलवाँ छत पर बैठा है
घर के पिंजरे का तोता
वह फिर पिंजरे में आना चाहता है
महमूदा मेरी बहन
इसी पानी में बह रही है तेरी लाडली गऊ
इसका बछड़ा पता नहीं कहाँ है
तेरी गऊ के दूध भरे थन
अकड़ कर लोहा हो गए हैं
जम गया है दूध
सब तरफ पानी ही पानी
पूरा शहर डल झील हो गया है
महमूदा, मेरी महमूदा
में तेरे साथ खड़ी हूँ
मुझे यकीन है छत पर जरूर
कोई पानी की बोतल गिरेगी
कोई खाने का सामान का या दूध की थैली
में कुरबान उन बच्चों की माँओं पर
जो बाढ़ में से निकलकर
बच्चों की तरह पीड़ितों को
सुरक्षित स्थान पर पहुँचा रही हैं
महमूदा हम दोनों फिर खड़े होंगे
में तुम्हारी कमलिनी अपनी धरती पर.......
उसे चूम लेंगे अपने सूखे होठों से
पानी की इस तबाही से फिर निकल आएगा
मेरा चाँद जैसा जम्मू
मेरा फूल जैसा कश्मीर।

(i) घर में पानी घुसने का कारण है-

क) प्राकृतिक आपदा | ख) नल और नाली की ख़राबी

ग) बाँध का टूटना | घ) नदी में रुकावट

(ii) महमूदा की बहन को विश्वास नहीं है-

क) इस मुसीबत से निकल जाएँगे। | ख) छत पर पानी की बोतल गिरेगी।

ग) कुछ खाने-पीने की सहायता पहुँचेगी। | घ) कोई हैलीकॉप्टर उन्हें बचाने छत पर आएगा।

(iii) **मेरा चाँद जैसा जम्मू मेरा फूल जैसा कश्मीर** का भावार्थ है-

क) जम्मू और कश्मीर का सौंदर्य वापिस लौटेगा। | ख) जम्मू और कश्मीर चाँद और फूल जैसा सुंदर है।

ग) जम्मू और कश्मीर स्वर्ग है। | घ) जम्मू और कश्मीर में फिर से चाँद दिखने लगेगा।

(iv) कवयित्री माताओं पर क्यों न्यौछावर होना चाहती है?

क) दूसरों को बचाने के कार्य में जुटी हैं। | ख) रसद पहुँचाने का कार्य कर रही हैं।

ग) स्वयं भूखी रहकर बच्चों की देखभाल करती हैं। | घ) बच्चों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचा रही हैं।

(v) पूरा शहर डल झील जैसा लग रहा है क्योंकि-

क) झील में नगर का प्रतिबिंब झलक रहा है। | ख) पूरे शहर में शिकारे चलने लगे हैं।

ग) डल झील का फैलाव बढ़ गया है। | घ) पूरे शहर में पानी भर गया है।

4. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

फिर हम परदे पर दिखलाएँगे
फूली हुई आँख की एक बड़ी तस्वीर
बहुत बड़ी तस्वीर
और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी
(आशा है आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे)
एक और कोशिश
दर्शक
धीरज रखिए
देखिए

हमें दोनों एक संग रुलाने हैं
आप और वह दोनों
(कैमरा बस करो नहीं हुआ रहने दो परदे पर वक्त की कीमत है)
अब मुस्कुराएँगे हम

(i) **होंठों की कसमसाहट** क्या अभिव्यक्त करती है?

क) सहजता को — ख) मन की प्रसन्नता को

ग) असमर्थता को — घ) गंभीरता को

(ii) कार्यक्रम का प्रस्तुतकर्ता परदे पर क्या दिखाने की बात करता है?

क) फूली हुई बड़ी आँख — ख) अपाहिज व्यक्ति का दुःख-दर्द

ग) सभी विकल्प सही हैं — घ) अपाहिज व्यक्ति के होंठों की पीड़ा

(iii) प्रस्तुतकर्ता की दृष्टि में कार्यक्रम सफल कब माना जाएगा?

क) जब अपाहिज व्यक्ति और दर्शक की मनःस्थिति एक जैसी हो जाएगी — ख) जब प्रस्तुतकर्ता स्वयं अपाहिज के दर्द को समझेगा

ग) जब दर्शक उससे तादात्म्य कर लेगा — घ) जब अपाहिज व्यक्ति का दुःख व्यक्त होगा

(iv) अपाहिज की स्थिति का चित्रण करने वाले कार्यक्रम निर्माता का उद्देश्य क्या होता है?

क) दुःखी व पीड़ित व्यक्ति की व्यथा का वर्णन करना — ख) पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलाना

ग) संवेदनहीन समाज का चित्रण करना — घ) कार्यक्रम की व्यावसायिक सफलता और लोकप्रियता

(v) **हमें दोनों एक संग रुलाने हैं** पंक्ति में 'दोनो' शब्द किनके लिए आया है?

क) कवि और अपाहिज व्यक्ति — ख) प्रस्तुतकर्ता और अपाहिज व्यक्ति

ग) अपाहिज व्यक्ति और दर्शक — घ) दर्शक और कवि

5. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

मेरा आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा। क्या यह ठीक नहीं है, भ्रातृता अर्थात् भाईचारे में किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? किसी भी आदर्श समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए, जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके। ऐसे समाज के बहुविध हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा

सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए। तात्पर्य यह है कि दूध और पानी के मिश्रण की तरह भाईचारे का यही वास्तविक रूप है और इसी का दूसरा नाम लोकतंत्र है, क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक पद्धति ही नहीं है, लोकतंत्र मूलतः सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति तथा समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान-प्रदान का नाम है। इनमें यह आवश्यक है कि अपने साथियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव हो। (बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर)

(i) लेखक के अनुसार एक आदर्श समाज के लिए क्या अपेक्षित है?

क) स्वतंत्रता　　ख) गतिशीलता

ग) लोकतंत्र　　घ) समानता

(ii) सबको किनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए?

क) स्वयं की　　ख) सरकार की

ग) लोकतंत्र की　　घ) दलितों की

(iii) भाईचारे के वास्तविक रूप को क्या कहा जाता है?

क) दूध　　ख) समाज

ग) पानी　　घ) लोकतंत्र

(iv) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): लोकतंत्र सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति है ।
कारण (R): क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक पद्धति नहीं है ।

क) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(v) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

i. लोकतंत्र केवल शासन की एक पद्धति है।

ii. आदर्श समाज में गतिशीलता नहीं होनी चाहिए।

iii. लोकतंत्र में अपने साथियों के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव होना चाहिए।

उपरिलिखित कथनों में से कौन सही नहीं है/हैं?

क) ii और iii　　ख) केवल iii

ग) i और ii　　　　घ) i और iii

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेत् निर्देशानुसार सही विकल्प का चयन कीजिए- **[10]**

(i) **सिल्वर वैडिंग** कहानी के अनुसार नई पीढ़ी कैसे महत्व देती है?

क) नैतिकता को　　　　ख) समाज को

ग) भौतिकता को　　　　घ) इनमे से कोई नहीं

(ii) यशोधर पंत को भाऊ कौन कहता था?

क) किशन दा　　　　ख) भूषण

ग) सभी　　　　घ) जनार्दन जोशी

(iii) यशोधर बाबू का अपने बच्चों के प्रति कैसा व्यवहार था?

क) स्नेहपूर्ण　　　　ख) ईर्ष्यापूर्ण

ग) अलगाव भरा　　　　घ) घृणापूर्ण

(iv) यशोधर पंत और उनके परिवार के बीच किस बात को लेकर द्वन्द्व होता था? [**सिल्वर वेडिंग**]

क) आधुनिकता　　　　ख) नौकरी

ग) खर्च　　　　घ) खाना

(v) जूझ पाठ में लेखक के पिता को उसे पढ़ाने के लिए कौन मनाता है?

क) दत्ता जी राव　　　　ख) लेखक की माँ

ग) मंत्री　　　　घ) वसंत पाटील

(vi) **जूझ** पाठ के लेखक के पिता का क्या नाम था?

क) आनंदा　　　　ख) मंत्री

ग) रतनाप्पा　　　　घ) देसाई

(vii) किस कारण से लेखक का पाठशाला में विश्वास बढ़ने लगा? **(जूझ)**

क) नई किताबे　　　　ख) वसंत पाटील की दोस्ती

ग) नए कपड़े　　　　घ) गणित के मास्टर

(viii) **अतीत में दबे पाँव** पाठ के आधार पर मुअनजो-दड़ो में किसकी खेती की जाती थी?

क) रबी की　　　　ख) रबी और खरीफ दोनों की

ग) केवल कपास की　　　　घ) खरीफ की

(ix) **अतीत में दबे पाँव** पाठ के अनुसार कशीदेकारी क्या है?

क) एक फूल　　　　ख) एक घाटी

ग) एक नर्तकी　　　　घ) एक कला

(x) **अतीत में दबे पाँव** पाठ के आधार पर मुअनजो-दड़ो की खुदाई में निकली पंजीकृत चीज़ों की संख्या कितनी थी?

क) 20 हजार से अधिक　　　　ख) 60 हजार से अधिक

ग) 50 हजार से अधिक　　　　घ) 30 हजार से अधिक

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: **[6]**

(i) नाटक में **शब्द** का क्या महत्व है?

(ii) जनसंचार के प्रमुख कार्य बताइए।

(iii) बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या अंतर है, स्पष्ट करें।

8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लेख लिखिये: **[6]**

(i) **मेरे सपनों का भारत** विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

(ii) **कंप्यूटर: आज की ज़रूरत** विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

(iii) **प्रातःकाल की सैर** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए।

(iv) **राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका** विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: **[8]**

(i) **दक्षिण का कश्मीर-तिरुवनंतपुरम्** विषय पर फीचर लिखिए।

(ii) **भीड़ भरी बस के अनुभव** पर एक फीचर लिखिए।

(iii) **बाघ का घर जिमकार्बेट** विषय पर एक आलेख तैयार कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: **[6]**

(i) **दिन जल्दी-जल्दी ढलता है** कविता के आलोक में कवि की गति में शिथिलता और हृदय की विह्वलता के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

(ii) **कविता के बहाने** कविता के कवि को क्या आशंका है और क्यों?

(iii) कालिदास के **रघुवंश** महाकाव्य में पत्नी (इंदुमती) के मृत्यु-शोक पर **अज** तथा निराला की **सरोज-स्मृति** में पुत्री (सरोज) के मृत्यु-शोक पर पिता के करुण उद्गार निकले हैं। उनसे

भ्रातृशोक में डूबे राम के इस विलाप की तुलना करें।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: **[4]**

(i) फ़िराक गोरखपुरी की रुबाइयों से उभरने वाले वात्सल्य के किन्हीं दो चित्रो को अपने शब्दों में चित्रित कीजिए।

(ii) **पतंग** कविता के आधार पर पृथ्वी का प्रत्येक कोना बच्चों के पास स्वतः कैसे आ जाता है?

(iii) निम्नलिखित काव्यांश का भाव-सौंदर्य बताइए –
बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: **[6]**

(i) स्त्री के विवाह संबंधी मानवाधिकार को कुचलने की कुपरंपरा का पालन प्रस्तुत पाठ **भक्तिन** में किस प्रकार हो पाया है?

(ii) **काले मेघा पानी दे** के आधार पर जीजी की दृष्टि में त्याग और दान को परिभाषित कीजिए।

(iii) **पहलवान की ढोलक** पाठ के अनुसार रात्रि की निस्तब्धता का भेदन करने में कौन सक्षम था तथा कौन सक्षम नहीं था? विवरण दीजिए।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: **[4]**

(i) लोभ के विषय में लेखक **जैनेंद्र कुमार** के क्या विचार हैं?

(ii) बाज़ार किसी का लिंग, जाति, धर्म या क्षेत्र नहीं देखता वह देखता है सिर्फ़ उसकी क्रय शक्ति को। इस रूप में वह एक प्रकार से सामाजिक समता की भी रचना कर रहा है। आप इससे कहाँ तक सहमत हैं?

(iii) लेखक **हजारी प्रसाद द्विवेदी** ने किन-किन वृक्षों का उल्लेख किया है? संदर्भ सहित बताइए।

SOLUTION

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
रवींद्रनाथ ने इस भारतवर्ष को 'महामानव समुद्र' कहा है। विचित्र देश है यह। असुर आए, आर्य आए, शक आए, हूण आए, नाग आए, यक्ष आए, गंधर्व आए - न जाने कितनी मानव जातियाँ यहाँ आईं और आज के भारतवर्ष के बनाने में अपना हाथ लगा गईं। जिसे हमें हिंदू रीति-नीति कहते हैं, वह अनेक आर्य और आर्येतर उपादानों का अद्‌भुत मिश्रण है। एक-एक पशु, एक-एक पक्षी न जाने कितनी स्मृतियों का भार लेकर हमारे सामने उपस्थित है। अशोक की भी अपनी स्मृति परंपरा है। आम की भी है, बकुल की है, चंपे की भी है। सब क्या हमें मालूम है? जितना मालूम है, उसी का अर्थ क्या स्पष्ट हो सका है? न जाने किस बुरे मुहूर्त में मनोजन्मा देवता ने शिव पर बाण फेंका था? शरीर जलकर राख हो गया और 'वामन-पुराण' (षष्ठ अध्याय) की गवाही पर हमें मालूम है कि उनका रत्नमय धनुष टूटकर खंड-खंड हो धरती पर गिर गया। जहाँ मूठ थी, वह स्थान रुक्म-मणि से बना था, वह टूटकर धरती पर गिरा और चंपे का फूल बन गया। हीरे का बना हुआ जो नाह-स्थान था, वह टूटकर गिरा और मौलसिरी के मनोहर पुष्पों में बदल गया। अच्छा ही हुआ। इंद्रनील मणियों का बना हुआ कोटि देश भी टूट गया और सुंदर पाटल पुष्पों में परिवर्तित हो गया। यह भी बुरा नहीं हुआ। लेकिन सबसे सुंदर बात यह हुई कि चंद्रकांत-मणियों का बना हुआ मध्य देश टूटकर चमेली बन गया और विद्रुम की बनी निम्नतर कोटि बेला बन गई, स्वर्ग को जीतनेवाला कठोर धनुष, जो धरती पर गिरा तो कोमल फूलों में बदल गया। स्वर्गीय वस्तुएँ धरती से मिले बिना मनोहर नहीं होतीं।
परंतु मैं दूसरी बात सोच रहा हूँ। इस कथा का रहस्य क्या है? यह क्या पुराणकार की सुकुमार कल्पना है या सचमुच ये फूल भारतीय संसार में गंधर्वों की देन हैं? एक निश्चित काल के पूर्व इन फूलों की चर्चा हमारे साहित्य में मिलती भी नहीं। सोम तो निश्चित रूप से गंधर्वों से खरीदा जाता था। ब्राह्मण ग्रंथों में यज्ञ की विधि में यह विधान सुरक्षित रह गया है। ये फूल भी क्या उन्हीं से मिले? कुछ बातें तो मेरी मस्तिष्क में बिना सोचे ही उपस्थित हो रही हैं। यक्षों और गंधर्वों के देवता -कुबेर, सोम, अप्सराएँ - यद्यपि बाद के ब्राह्मण ग्रंथों में भी स्वीकृत है, तथापि पुराने साहित्य में आप देवता के रूप में ही मिलते हैं। बौद्ध साहित्य में तो बुद्धदेव को ये कई बार बाधा देते हुए बताए गए हैं। महाभारत में ऐसी अनेक कथाएँ आती हैं जिनमें संतानार्थिनी स्त्रियाँ वृक्षों के अपदेवता यक्षों के पास संतान-कामिनी होकर जाया करती थीं। यक्ष और यक्षिणी साधारणत: विलासी और उर्वरता-जनक देवता समझ जाते थे। कुबेर तो अक्षय निधि के अधीश्वर भी हैं। 'यक्ष्मा' नामक रोग के साथ भी इन लोगों का संबंध जोड़ा जाता है। भरहुत, बोधगया, सांची आदि में उत्कीर्ण मूर्तियों में संतानार्थिनी स्त्रियों का यक्षों के सान्निध्य के लिए वृक्षों के पास जाना अंकित है। इन वृक्षों के पास अंकित मूर्तियों की स्त्रियाँ प्राय: नग्न हैं, केवल कटिदेश में एक चौड़ी मेखला पहने हैं।
अशोक इन वृक्षों में सर्वाधिक रहस्यमय है। सुंदरियों के चरण-ताड़न से उसमें दोहद का संचार होता है और परवर्ती धर्मग्रंथों से यह भी पता चलता है कि चैत्र शुक्ल अष्टमी को व्रत करने और अशोक की आठ पत्तियों के भक्षण से स्त्री की संतान-कामना फलवती है। अशोक कल्प में बताया गया है कि अशोक के फूल दो प्रकार के होते हैं - सफेद और लाल। सफेद तो तांत्रिक क्रियाओं में सिद्धिप्रद समझकर व्यवहृत होता है और लाल स्मरवर्धक होता है। इन सारी बातों

का रहस्य क्या है? मेरा मन प्राचीन काल के कुंझटिकाच्छन्न आकाश में दूर तक उड़ना चाहता है। हाय, पंख कहाँ हैं?

यह मुझे प्राचीन युग की बात मालूम होती है। आर्यों का लिखा हुआ साहित्य ही हमारे पास बचा है। उसमें सबकुछ आर्य दृष्टिकोण से ही देखा गया है। आर्यों से अनेक जातियों का संघर्ष हुआ। कुछ ने उनकी अधीनता नहीं मानी, वे कुछ ज़्यादा गर्वीली थीं।

(i) (i) साहित्य में
(ii) (i) अनेक उपदानों का मिश्रण
(iii) (ii) यक्ष
(iv) (iii) जो आर्यों के अधीन न थे
(v) (iv) दो
(vi) (i) कुबेर
(vii) (ii) I और II
(viii) (iv) रुक्म मणि
(ix) (ii) क्योंकि यहाँ अनेक तरह की प्रजातियाँ आ चुकी हैं
(x) (iii) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए-

(i) **(घ)** संचार और जनसंचार की
व्याख्या: संचार और जनसंचार की
(ii) **(ग)** बोलचाल के शब्द
व्याख्या: टी वी में बोलचाल की भाषा के शब्द ही सहज और उपयुक्त माने गए हैं।
(iii) **(ग)** एडवोकेसी
व्याख्या: एडवोकेसी
(iv) **(क)** पुस्तकें व पत्र-पत्रिकाएँ
व्याख्या: प्रिंट मीडिया के प्रमुख माध्यम होते हैं-अखबार, पुस्तकें व पत्र-पत्रिकाएँ आदि।
(v) **(घ)** संवाददाता
व्याख्या: बीट की रिपोर्ट लेखन करने वाले को संवाददाता कहते हैं।

3. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस-उस राही को धन्यवाद।
जीवन अस्थिर, अनजाने ही
हो जाता पथ पर मेल कही
सीमित पग-डग, लंबी मंजिल,
तय कर लेना कुछ खेल नहीं।
दाएँ-बाएँ सुख-दुख चलते
सम्मुख चलता पथ का प्रमाद,
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस-उस राही को धन्यवाद।
साँसों पर अवलंबित काया,
जब चलते-चलते चूर हुई।

दो स्नेह शब्द मिल गए,
मिली नव स्फूर्ति,
थकावट दूर हुई।
पथ के पहचाने छूट गए,
पर साथ-साथ चल रही यादें।
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस-उस राही को धन्यवाद।

(i) **(क)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं

(ii) **(घ)** क्योंकि उसके स्नेह से वह अपनी जीवन यात्रा को पूरा कर सका
व्याख्या: क्योंकि उसके स्नेह से वह अपनी जीवन यात्रा को पूरा कर सका

(iii) **(क)** उसमें नव स्फूर्ति आ गई
व्याख्या: उसमें नव स्फूर्ति आ गई

(iv) **(ख)** जीवन पथ पर उसे जिस जिससे स्नेह नहीं मिला
व्याख्या: जीवन पथ पर उसे जिस जिससे स्नेह नहीं मिला

(v) **(ग)** सबकी यादें
व्याख्या: सबकी यादें

अथवा

अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

ओ महमूदा मेरी दिल जिगरी
तेरे साथ में भी छत पर खड़ी हूँ
तुम्हारी रसोई तुम्हारी बैठक और गाय-घर में
पानी घुस आया
उसमें तैर रहा है घर का सामान
तेरे बाहर के बाग का सेब का दरख्त
टूटकर पानी के साथ बह रहा है
अगले साल इसमें पहली बार सेब लगने थे
तेरी बल खाकर जाती कशमीरी कढ़ाई वाली चप्पल
हुसैन की पेशावरी जूती
बह रहे हैं गंदले पानी के साथ
तेरी ढलवाँ छत पर बैठा है
घर के पिंजरे का तोता
वह फिर पिंजरे में आना चाहता है
महमूदा मेरी बहन
इसी पानी में बह रही है तेरी लाडली गऊ
इसका बछड़ा पता नहीं कहाँ है
तेरी गऊ के दूध भरे थन
अकड़ कर लोहा हो गए हैं
जम गया है दूध
सब तरफ पानी ही पानी

पूरा शहर डल झील हो गया है
महमूदा, मेरी महमूदा
में तेरे साथ खड़ी हूँ
मुझे यकीन है छत पर जरूर
कोई पानी की बोतल गिरेगी
कोई खाने का सामान का या दूध की थैली
में कुरबान उन बच्चों की माँओं पर
जो बाढ़ में से निकलकर
बच्चों की तरह पीड़ितों को
सुरक्षित स्थान पर पहुँचा रही हैं
महमूदा हम दोनों फिर खड़े होंगे
में तुम्हारी कमलिनी अपनी धरती पर.......
उसे चूम लेंगे अपने सूखे होठों से
पानी की इस तबाही से फिर निकल आएगा
मेरा चाँद जैसा जम्मू
मेरा फूल जैसा कश्मीर।

(i) **(क)** प्राकृतिक आपदा
व्याख्या: प्राकृतिक आपदा

(ii) **(घ)** कोई हैलीकॉप्टर उन्हें बचाने छत पर आएगा।
व्याख्या: कोई हैलीकॉप्टर उन्हें बचाने छत पर आएगा।

(iii) **(क)** जम्मू और कश्मीर का सौंदर्य वापिस लौटेगा।
व्याख्या: जम्मू और कश्मीर का सौंदर्य वापिस लौटेगा।

(iv) **(क)** दूसरों को बचाने के कार्य में जुटी हैं।
व्याख्या: दूसरों को बचाने के कार्य में जुटी हैं।

(v) **(घ)** पूरे शहर में पानी भर गया है।
व्याख्या: पूरे शहर में पानी भर गया है।

4. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

फिर हम परदे पर दिखलाएँगे
फूली हुई आँख की एक बड़ी तस्वीर
बहुत बड़ी तस्वीर
और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी
(आशा है आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे)
एक और कोशिश
दर्शक
धीरज रखिए
देखिए
हमें दोनों एक संग रुलाने हैं
आप और वह दोनों
(कैमरा बस करो नहीं हुआ रहने दो परदे पर वक्त की कीमत है)
अब मुस्कुराएँगे हम

(i) **(ग)** असमर्थता को
व्याख्या: असमर्थता को
(ii) **(ग)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं
(iii) **(क)** जब अपाहिज व्यक्ति और दर्शक की मनःस्थिति एक जैसी हो जाएगी
व्याख्या: जब अपाहिज व्यक्ति और दर्शक की मनःस्थिति एक जैसी हो जाएगी
(iv) **(घ)** कार्यक्रम की व्यावसायिक सफलता और लोकप्रियता
व्याख्या: कार्यक्रम की व्यावसायिक सफलता और लोकप्रियता
(v) **(ग)** अपाहिज व्यक्ति और दर्शक
व्याख्या: अपाहिज व्यक्ति और दर्शक

5. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
मेरा आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा। क्या यह ठीक नहीं है, भ्रातृता अर्थात् भाईचारे में किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? किसी भी आदर्श समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए, जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके। ऐसे समाज के बहुविध हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए। तात्पर्य यह है कि दूध और पानी के मिश्रण की तरह भाईचारे का यही वास्तविक रूप है और इसी का दूसरा नाम लोकतंत्र है, क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक पद्धति ही नहीं है, लोकतंत्र मूलतः सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति तथा समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान-प्रदान का नाम है। इनमें यह आवश्यक है कि अपने साथियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव हो। (बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर)
(i) **(ख)** गतिशीलता
व्याख्या: गतिशीलता
(ii) **(क)** स्वयं की
व्याख्या: स्वयं की
(iii) **(घ)** लोकतंत्र
व्याख्या: लोकतंत्र
(iv) **(ग)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(v) **(ग)** i और ii
व्याख्या: i और ii

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेत् निर्देशानुसार सही विकल्प का चयन कीजिए-
(i) **(ग)** भौतिकता को
व्याख्या: भौतिकता को
(ii) **(क)** किशन दा
व्याख्या: किशन दा

(iii)**(ग)** अलगाव भरा

व्याख्या: अलगाव भरा

(iv)**(क)** आधुनिकता

व्याख्या: पाठ के अनुसार यशोधर पंत और उनके परिवार के बीच आधुनिकता को लेकर द्वन्द्व होता था। यशोधर पंत पर पुराने विचार और मान्यताएं हावी थे, इस कारण वे अपने परिवार की आधुनिकता के खिलाफ थे।

(v) **(क)** दत्ता जी राव

व्याख्या: पाठ में लेखक को आगे की पढ़ाई कराने के लिए गाँव के मुखिया दत्ता जी राव देसाई लेखक के पिता को समझाते हैं।

(vi)**(ग)** रतनाप्पा

व्याख्या: लेखक के पिता का नाम रतनाप्पा था। लेखक अपने पिता से बहुत डरता था।

(vii)**(ख)** वसंत पाटील की दोस्ती

व्याख्या: वसंत पाटील से दोस्ती के बाद ही लेखक को पाठशाला में रुचि होने लगी। अन्यथा अपने से छोटे बच्चों के साथ पढ़कर उसे बहुत बुरा लगने लगता था।

(viii)**(क)** रबी की

व्याख्या: मुअनजो-दड़ो में रबी की खेती की जाती थी।

(ix)**(घ)** एक कला

व्याख्या: पाठ के अनुसार कशीदेकारी एक प्रकार की कला है, जिसमें कपड़ों पर बुन कर फूल अथवा कोई चित्र अंकित किया जाता है।

(x) **(ग)** 50 हजार से अधिक

व्याख्या: मुअनजो-दड़ो की खुदाई में निकली पंजीकृत चीज़ों की संख्या 50 हजार से अधिक थी।

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) 'शब्द' साहित्य की प्रत्येक विधा का आधारभूत अंग है। किंतु 'नाटक और कविता के लिए शब्द' का विशेष महत्व होता है। नाट्यशास्त्र में नाटक के अंतर्गत बोले जाने वाले शब्दों को नाटक का शरीर कहा गया है। कहानी, उपन्यास आदि में शब्दों के द्वारा किसी विशेष स्थिति, वातावरण या फिर कथानक का वर्णन, विश्लेषण आदि करते हैं। कविता-लेखन के अंतर्गत शब्द, बिंबों और प्रतीकों में बदलने की क्षमता भी रखते हैं और इसी कारण कविता ही नाटक के सबसे ज्यादा करीब जान पड़ती है। नाटक में प्रयुक्त शब्दों में दृश्यों को सृजित करने की अत्यधिक क्षमता होनी चाहिए जिससे वह लिखे और उच्चारित किए गए शब्दों से भी ज़्यादा उस तथ्य को ध्वनित करें जो लिखा या बोला नहीं जा रहा है।

(ii) जनसंचार के प्रमुख निम्नलिखित हैं-

i. सूचना देना
ii. शिक्षित करना
iii. मनोरंजन करना
iv. एजेंडा तय करना
v. निगरानी करना
vi. विचार-विमर्श के लिए मंच उपलब्ध कराना।

(iii) बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग में सबसे महत्त्वपूर्ण अंतर यह है कि बीट रिपोर्टिंग के लिए संवाददाता को संबंधित विषय के बारे में जानकारी और दिलचस्पी होना पर्याप्त है जबकि विशेषीकृत रिपोर्टिंग के लिए सामान्य खबरों से आगे बढ़कर विषय से जुड़ी घटनाओं, मुद्दों, समस्याओं का बारीकी से विश्लेषण करके पाठकों या दर्शकों को वास्तविकता बतानी होती है।

8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लेख लिखिये:

(i) **मेरे सपनों का भारत**

भारत देश मुझे अपने प्राणों से भी अधिक प्रिय है। मुझे अपने भारतीय होने पर गर्व का अनुभव होता है। मेरा देश संसार के सभी देशों से निराला है और संसार के सब देशों से प्यारा है। मैं भारत को विश्व के शक्तिशाली देश के रूप में देखना चाहता हूँ। मैं ऐसे भारत का सपना देखता हूँ, जो भ्रष्टाचार, शोषण और हिंसा से मुक्त हो। मेरे सपनों का भारत 'सुशिक्षित भारत' है। उसमें अनपढ़ता, निरक्षरता और बेरोज़गारी का कोई स्थान नहीं है। मैं चाहता हूँ कि हमारे देश के नियोजक ऐसी शिक्षा व्यवस्था लागू करें, जिसके बाद व्यवसाय या नौकरियाँ सुरक्षित हों। कोई भी व्यक्ति अशिक्षित न हो और कोई भी शिक्षित बेरोज़गार न हो। मैं चाहता हूँ कि भारत सांप्रदायिक दंगों-झगड़ों से दूर रहे। सब में आपसी भाईचारा और प्रेम का संबंध हो। राष्ट्रीय एकता का संचार हो। जो सम्मान भारत का प्राचीन काल में था वही सम्मान, मैं पुनः उसे प्राप्त कराना चाहता हूँ।

मैं फिर से रामराज्य की कल्पना करता हूँ, जिसमें सभी लोगों को जीने के समान अवसर प्राप्त हो सकें। भारत एक बार फिर 'सोने की चिड़िया' बन जाए। मेरे सपनों का भारत वह होगा, जो राजनीतिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और वैज्ञानिक आदि विभिन्न दृष्टियों से उन्नति के पथ पर अग्रसर होगा। भावी भारत के सपनों की पूर्णता के लिए आवश्यक है कि हमारे देश का प्रत्येक नागरिक देश की प्रत्येक कुरीति को समूल नष्ट करने का दृढ़ संकल्प करें क्योंकि देश में बदलाव लाना देश के नागरिकों पर हीं निर्भर करता है। मैं अपने सपनों के भारत को पूरी तरह से समृद्ध देखना चाहता हूँ।

(ii) **कंप्यूटर : आज की ज़रूरत**

कंप्यूटर वास्तव में, विज्ञान द्वारा विकसित एक ऐसा यंत्र है, जो कुछ ही क्षणों में असंख्य गणनाएँ कर सकता है। कंप्यूटर ने मानव जीवन को बहुत सरल बना दिया है। कंप्यूटर द्वारा रेलवे टिकटों की बुकिंग बहुत आसानी से और कम समय में की जा सकती है।

आज किसी भी बीमारी की जाँच करने, स्वास्थ्य का पूरा परीक्षण करने, रक्त-चाप एवं हृदय गति आदि मापने में इसका भरपूर प्रयोग किया जा रहा है। रक्षा क्षेत्र में प्रयुक्त उपकरणों में कंप्यूटर का बेहतर प्रयोग उन्हें और भी उपयोगी बना रहा है। आज हवाई यात्रा में सुरक्षा का मामला हो या यान उड़ाने की प्रक्रिया, कंप्यूटर के कारण सभी जटिल कार्य सरल एवं सुगम हो गए हैं। संगीत हो या फ़िल्म, कंप्यूटर की मदद से इनकी गुणवत्ता को सुधारने में बहुत मदद मिली है। जहाँ कंप्यूटर से अनेक लाभ हैं, कंप्यूटर से कुछ हानियाँ भी हैं। कंप्यूटर पर आश्रित होकर मनुष्य आलसी प्रवृत्ति का बनता जा रहा है। कंप्यूटर के कारण बच्चे आजकल घर के बाहर खेलों में रुचि नहीं लेते और इस पर गेम खेलते रहते हैं। इस कारण से उनका शारीरिक और मानसिक विकास ठीक से नहीं हो पाता। फिर भी कंप्यूटर आज के जीवन की आवश्यकता है। अगर हम इसका सही ढंग से प्रयोग करें, तो हम अपने जीवन में और तेजी से प्रगति कर सकते हैं ।

(iii) **प्रात:काल की सैर**

प्रातः काल की सैर से मन प्रफुल्लित तथा तन स्वस्थ्य रहता है। स्वस्थ व्यक्ति ही समर्थ होता है और यह सर्वमान्य सत्य है कि वही इच्छित कार्य कर सकता है। वही व्यापार, सेवा, धर्म आदि हर क्षेत्र में सफल हो सकता है। व्यक्ति तभी स्वस्थ रह सकता है जब वह व्यायाम करे। व्यायाम में खेल-कूद, नाचना, तैराकी, दौड़ना आदि होते हैं, परंतु ये तरीके हर व्यक्ति के लिए सहज नहीं होते। हर व्यक्ति की परिस्थिति व शारीरिक दशा अलग होती है। ऐसे लोगों के लिए प्रात:काल की सैर से बढ़िया विकल्प नहीं हो सकता।प्रातः काल में सैर करने से हम आज के प्रदूषित वातावरण में भी थोड़ी शुद्ध हवा ले सकते हैं।

यदि व्यक्ति नियमित रूप से प्रात:काल की सैर करे तो उसे अधिक फायदा ले सकता है। प्रातः सैर से मष्तिष्क को भी फायदा होता है। सैर के समय निरर्थक चिंताओं से दूर रहना चाहिए। प्रात:कालीन सैर के लिए उपयुक्त स्थान का होना भी जरूरी है। घूमने का स्थान खुला व साफ़-सुथरा और प्रदूषण रहित होना चाहिए। हरी घास पर नंगे पैर चलने से आँखों की रोशनी बढ़ती है, तथा शरीर में ताजगी आती है। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह नियम सर्दी में लागू नहीं होता।

अत्यधिक ठंड से नंगे पैर चलने से व्यक्ति बीमार हो सकता है। हरित क्षेत्र में सैर करनी चाहिए। इसके लिए नदियों-नहरों व खेतों के किनारे, पार्क, बाग-बगीचे आदि भी उपयोगी स्थान माने गए हैं। खुली सड़कों पर वृक्षों के नीचे घूमा जा सकता है। यदि ये सब कुछ उपलब्ध न हों तो खुली छत पर घूमकर लाभ उठाया जा सकता है। प्रात:कालीन सैर से तन-मन प्रसन्न हो सकता है। यह सस्ता व सर्वसुलभ उपाय है।

(iv) **राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका**

किसी भी राष्ट्र के निर्माण और उसके विकास में सबसे बड़ी भूमिका युवाओं की होती है। इस बात का इतिहास साक्षी है कि आज तक समाज में जो भी परिवर्तन या सुधार हुआ है, वह युवाओं के बल पर ही हुआ है। राम ने जब रावण का संहार किया, तब वे युवा थे। कंस का वध करने वाले कृष्ण भी युवक थे। शंकराचार्य, चंद्रगुप्त, महाराणा प्रताप, शिवाजी, स्वामी दयानंद, स्वामी विवेकानंद, राजा राममोहन राय, भगतसिंह, सुभाष, नेहरू, गाँधी आदि सभी युवावस्था में ही सामाजिक परिवर्तन के पुण्य कार्य में लग गए थे।

युवा वही होता है, जिसके मन में परिवर्तन कर सकने की इच्छाशक्ति एवं बल हो, जो अन्याय देख कर दुःखी हो सकता है, अपनी एवं दूसरे की प्रसन्नता में नाच और झूम सकता है,और जो दूसरों के दुःख को अपना दुःख समझे, और जो अपनी कल्पनाओं को साकार करने के लिए सर्वस्व दाँव पर लगा सकता है। वर्तमान में हमारे राष्ट्र के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं। अशिक्षा, गरीबी, असमानता, शोषण, सांप्रदायिकता और वर्गभेद ऐसी चुनौतियाँ हैं, जिनका मुकाबला किए बिना समाज का नवनिर्माण संभव नहीं है।

प्रायः युवा उत्साही होते हैं इसलिए वे शीघ्र ही आंदोलन का रास्ता अपना लेते हैं। युवाओं को इंजीनियर बनना है, बुल्डोजर नहीं। यद्यपि परिस्थिति के अनुसार कभी-कभी विध्वंस का रास्ता भी अपनाना पड़ता है, लेकिन वह भी सृजन के लिए।

युवा वर्ग को देश निर्माण की ओर मोड़ने का एक उपाय है-युवाओं को समय-समय पर कल्याणकारी, रचनात्मक कार्यक्रमों में लगाना। यद्यपि इसके लिए एन. एस. एस., एन. सी. सी. और स्काउट जैसी संस्थाएँ विद्यमान हैं, लेकिन सच्ची भावना के अभाव में ये संस्थाएँ अनुपयोगी सिद्ध हो गई हैं।

किसी देश की उन्नति उसके परिश्रमी, लगनशील, पुरुषार्थी तथा चरित्रवान नागरिकों से ही संभव है। भारत के युवा भी चरित्रवान बनकर देश में व्याप्त बुराइयों को समाप्त कर देश की

प्रगति में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।अंततः हम ये कह सकते हैं कि युवाओं के योगदान के बिना देश के प्रगति की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) दक्षिण भारत में तिरुवनंतपुरम् को प्राकृतिक सुंदरता के कारण दक्षिण का कश्मीर कहा जाता है। केरल की यह सुंदर राजधानी अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सुनहरे समुद्र तटों और हरे-भरे नारियल के पेड़ों के कारण जानी जाती है। आइए, आपको भी ले चलें इस बार तिरुवनंतपुरम् की सैर पर, जिसे पहले त्रिवेंद्रम के नाम से जाना जाता था, भारत के दक्षिणी छोर पर स्थित है। आज यह तिरुवनंतपुरम् के नाम से जाना जाता है। इसे अरब सागर ने घेर रखा है। इसके बारे में कहा जाता है कि पौराणिक योद्धा भगवान परशुराम ने अपना फरसा फेंका था जो कि यहाँ आकर गिरा था। स्थानीय भाषा में त्रिवेंद्रम का अर्थ होता है, कभी न खत्म होने वाला साँप।

तिरुवनंतपुरम् दक्षिण भारत का बड़ा पर्यटन केंद्र है और देश के अन्य किसी शहर में इतनी प्राकृतिक सुंदरता, इतने अधिक मंदिर और सुंदर भवनों का मिलना कठिन है। यहाँ पहुँचना भी मुश्किल नहीं है। केरल राज्य की यह राजधानी जल, थल और वायु मार्ग से देश के सभी क्षेत्रों से जुड़ी है।

(ii) **भीड़ भरी बस के अनुभव**

देश की राजधानी दिल्ली में जनसंख्या में इस कदर वृद्धि हो रही है कि आने वाले वर्षों में लोगों के ऊपर लोग चलकर जाएँगे। हाँ यह सत्य है और इसका प्रत्यक्ष उदाहरण आए दिन दिल्ली की बसो में देखने को मिलता है। बस किसी स्टैंड पर आती है और सवारी पीछे के दरवाज़े से चढ़ती है और इसके बाद सवारी का कोई काम नहीं। वह धक्के खा-खाकर पीछे के दरवाज़े से कब आगे ड्राइवर के पास तक जा पहुँचती है, यह स्वयं सवारी को भी नहीं पता चलता। भीड़ भरी बस में सफर करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य है। बसों में भीड़ जेबकतरों और चोरों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं।

भीड़ में कुछ लोग बहुत परेशानी महसूस करते हैं, तो कुछ ऐसे लोग भी हैं जो जेब कतरे, चोर आदि होते हैं। उनके लिए भीड़ भरी बस जेब काटने व चोरी करने के अवसर को बढ़ा देती है। दिनोंदिन बसो में इस तरह की वारदातें होती रहती हैं। भीड़ भरी बस में सफर करना बहुत ही कठिन कार्य है। आगे-पीछे सवारी इस तरह लटक जाती है, जैसे उन्हें अपनी जान की कोई परवाह नहीं। इनमें खासतौर पर स्कूली छात्रों की संख्या अधिक होती है।और भीड़ भरी बसों में बुजुर्गों,महिलाओं और छात्रों को अधिक परेशानी होती है। भीड़ भरी बस में सबसे बड़ी समस्या टिकट लेने में आती है।

जब कोई सवारी भीड़ से बचने के कारण अगले दरवाज़े से बस में चढ़ती है, तो उसे कंडक्टर तक पहुँचने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। भीड़ भरी बस में महिला वर्ग के साथ बदतमीजी व अन्य प्रकार की समस्याएँ उजागर होती हैं। अतः भीड़ भरी बस का अनुभव अत्यंत बुरा रहा, परंतु भिन्न-भिन्न प्रकार की समस्याओं के बावजूद भी प्रत्येक दिन इन्हीं बसों में सफर करने को मजबूर हैं।

(iii) **बाघ का घर जिमकार्बेट**

जंगली जीवों की विभिन्न प्रजातियों को सरंक्षण देने तथा उनकी संख्या को बढ़ाने के उद्देश्य से हिमालय की तराई से लगे उत्तराखंड के पौड़ी और नैनीताल जिले में भारतीय महाद्वीप के पहले राष्ट्रीय अभयारण्य की स्थापना प्रसिद्ध अंग्रेजी लेखक जिम कार्बेट के नाम पर की गई। जिम कार्बेट नॅशनल पार्क नैनीताल से 115 किलोमीटर और दिल्ली से 290 किलोमीटर दूर

है। यह अभयारण्य पाँच सौ इक्कीस किलोमीटर क्षेत्र में फैला है। नवम्बर से जून के बीच यहाँ घूमने-फिरने का सर्वोत्तम समय है। यह अभयारण्य चार सौ से ग्यारह सौ मीटर की ऊँचाई पर है।

ढिकाला इस पार्क का प्रमुख मैदानी स्थल है और कांडा सबसे ऊँचा स्थान है। जंगल, जानवर, पहाड़ और हरी-भरी वादियों के वरदान के कारण जिमकार्बेट पार्क की गिनती दुनिया के अनूठे पार्कों में होती हैI

यहाँ रायल बंगाल टाइगर और एशियाई हाथी पसंदीदा घर है। यह एशिया का सबसे पहला संरक्षित जंगल है। राम गंगा नदी इसकी जीवन-धारा है। यहाँ 110 तरह के पेड़-पौधे, 50 तरह के स्तनधारी जीव, 25 प्रजातियों के सरीसृप और 600 तरह के रंग-विरंगे पक्षी हैं। हिमालयन तेंदुआ, हिरन, भालू, जंगली कुत्ते, भेड़िये, बंदर, लंगूर, जंगली भैंसे जैसे जानवरों से यह जंगल आबाद है। हर वर्ष लाखों पर्यटक यहाँ आते हैं। शाल वृक्षों से घिरे लंबे-लंबे वन-पथ और हरे-भरे घास के मैदान इसके प्राकृतिक सौंदर्य में चार चाँद लगा देते हैं।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) कवि कहता है कि दिन ढलने पर वह जब घर की ओर कदम बढ़ाता है, तो यह देखकर उसे सुखद अनुभूति होती है कि अपने-अपने प्रतीक्षारत प्रियजनों से मिलने के लिए व्याकुल जीव थका हुआ होने के बावजूद कितनी स्फूर्ति से घर की ओर जा रहे हैं। वह सोचता है कि उसकी प्रतीक्षा तो कोई नहीं करता। उसके लिए तो कोई व्याकुल नहीं होता। इस विचार क्रे मन में आते ही उसकी गति शिथिल हो जाती है और वह धीरे-धीरे कदम बढ़ाते हुए, अपने घर की ओर अग्रसर होता है।

(ii) कवि को कविता के अस्तित्व या भविष्य के बारे में संदेह है। उसे आशंका है कि औद्योगीकरण के कारण मनुष्य यांत्रिक होता जा रहा है। उसके पास भावनाएँ व्यक्त करने या सुनने का समय नहीं है। प्रगति की अंधी दौड़ से मानव की कोमल भावनाएं समाप्त होती जा रही हैं। वह मशीन बनता जा रहा है, कविता का भाव समझने का वक्त ही उसके पास नहीं है, मनुष्य ने स्वयं को सीमित कर लिया है जबकि कविता के लिए मुखर होने की आवश्यकता होती है अतः कवि को कविता का अस्तित्व खतरे में दिखाई दे रहा है।

(iii) निराला की सरोज-स्मृति में पुत्री (सरोज) के मृत्यु-शोक तथा भ्रातृशोक में डूबे राम के इस विलाप की तुलना करें तो श्रीराम का शोक कम प्रतीत होता है क्योंकि निराला की बेटी की मृत्यु हो चुकी थी जबकि लक्ष्मण अभी केवल मूर्छित ही थे अभी भी उनके जीवित होने की संभावना बची हुई थी साथ ही संतान का शोक अन्य किसी शोक से बढ़कर नहीं होता।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) दीवाली की शाम को घर स्वच्छ तथा पवित्र बनाया गया है। घर को खूब सजा दिया गया है। माँ बच्चे के लिए चीनी मिट्टी के चमकदार खिलौने लाई है। उस रूपवती के चेहरे पर एक आभा है। वह अपने बच्चे के घरौंदे को सजाती है तथा उसमे एक दीप जलाती है। बच्चा प्रसन्न हो जाता है। अपने बच्चे की प्रसन्नता से ही माँ का चेहरा गर्व से फूला हुआ है।

(ii) जब बच्चे पतंग उड़ाते हैं, तो उनकी इच्छा होती है कि उनकी पतंग सबसे ऊँची रहे, क्योंकि पतंग के माध्यम से वे सारे ब्रह्मांड में घूम लेना चाहते हैं। वे कल्पना की रंगीन दुनिया में खो जाते हैं, इसलिए उनके लिए पृथ्वी का प्रत्येक कोना अपने आप सिमटता चला जाता है अर्थात् पतंग उड़ाने के समय बच्चों के सामने पृथ्वी का कोना-कोना सिमट जाता है।

(iii)कवि कहता है कि जिस प्रकार ज्यादा काली सिल अर्थात् पत्थर पर थोड़ा-सा केसर डाल देने से वह धुल जाती है अर्थात् उसका कालापन खत्म हो जाता है, ठीक उसी प्रकार काली सिल को किरण रूपी केसर धो देता है अर्थात् सूर्योदय होते ही हर वस्तु चमकने लगती है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) स्त्री को यह मानवाधिकार प्राप्त है कि वह निर्णय कर सके कि वह अपना विवाह किससे करना चाहती है अथवा वह विवाह करना चाहती भी है या नहीं। भक्तिन की बेटी का विवाह उसके जेठ के बड़े बेटे के साले से बिना उसकी इच्छा के करा दिया गया, जिसे भक्तिन की बेटी पसंद नहीं करती थी। वह लड़का भक्तिन की बेटी के कमरे में विवाह से पहले ही जबरदस्ती घुस गया था, तो उसने उसके मुँह पर तमाचा मारा था। उस युवक ने पंचों को अपने पक्ष में कर यह निर्णय करा लिया कि उन दोनों का विवाह होगा। निश्चित रूप से यह स्त्री के अधिकार का हनन था। अतः यह घटना स्त्री के मानवाधिकार के कुचलने को दर्शाती है।

(ii) लेखक को जीजी के अन्धविश्वासों पर तनिक भी विश्वास नहीं था। जीजी कहती थी कि अगर हम इन्द्र भगवान को जल नहीं देंगे तो वे हमें पानी कैसे देंगे, मेढ़क -मंडली पर जल डालना उनको समर्पितअर्ध्य है यदि मनुष्य दान में कुछ देगा नहीं तो पायेगा कैसे? ऋषियों ने भी दान और त्याग की महिमा गाई है। असली त्याग वही है कि जो चीज हमारे पास कम है उसे ही लोक-कल्याण के लिए दे दिया जाये तभी दान का फल मिलेगा।

(iii)अमावस्या की काली रात थी। प्रकाश के नाम पर केवल तारों की रोशनी ही थी। ऐसी अँधेरी रात में केवल सियारों का रोना व उल्लू की डरावनी आवाज़ें ही रात्रि में छाई हुई निस्तब्धता का भेदन कर सकती थीं। बच्चों के 'माँ-माँ' करके रोने तथा 'हरे राम, हे भगवान' की आवाज़ें तो जैसे मुँह से निकल कर मुँह में ही समाप्त हो जाती थीं।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) लोभ के कारण ही व्यक्ति आकर्षण में फँसता है और उसके मन में इच्छाएँ उत्पन्न होती हैं; जैसे-विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ खरीदना, बाज़ार में घूमने जाना, नए जमाने की नई-नई वस्तुओं का संग्रह करना इत्यादि। इस प्रकार बाज़ार में माँग उत्पन्न होती है। यह लोभ मनुष्य को अंधा कर देता है।

(ii) हम इस बात से पूरी तरह सहमत हैं क्योंकि आज हम जीवन के प्रत्येक क्षेत्र, पढ़ाई, आवास, राजनीति, धार्मिक स्थल आदि सभी में लिंग,जाति,धर्म के आधार पर होने वाले विभिन्न भेदभाव देखते हैं किन्तु बाजार इस विचारधारा से अलग होता है।
बाज़ार को किसी लिंग, धर्म या जाति से कोई लेना-देना नहीं होता है,वह हरएक के लिए खुला होता है। उसके लिए तो हर कोई केवल और केवल ग्राहक है जहाँ लोग आकर अपनी आवश्कताएँ पूरी करते हैं। इस प्रकार यदि हम देखें तो बाज़ार एक प्रकार की सामाजिक समता की रचना करता है।

(iii)लेखक ने शिरीष के बहाने अन्य वृक्षों कनेर व अमलतास का वर्णन किया है। ये भी ग्रीष्म ऋतु में फूलते हैं, किंतु उनकी तुलना हम शिरीष से नहीं कर सकते, क्योंकि ये कम समय के लिए खिलते हैं। वसंत में पलाश खिलता तो है, पर उसकी अवधि भी बहुत ही कम समय की होती है। रईसों के बगीचों के प्रसंग में लेखक ने अशोक, अरिष्ठ (रीठा नामक वृक्ष), पुन्नाग (एक सदाबहार बड़ा-सा पेड़), बकुल (मौलसिरी का पेड़) का वर्णन किया है। भारत में ये सभी वृक्ष पाए जाते हैं।